

उत्तर-मध्य विधानसभा में विधायक ने पहुंचाया घर-घर गंगाजल

जबलपुर।

उत्तर-मध्य विधानसभा में विधायक डॉ. अभिलाष पांडे द्वारा 02 मार्च से 06 मार्च 2025 तक संगठनिक दृष्टि से विधानसभा के अंतर्गत आने वाले सभी पांच मंडल में क्रमशः जिनमें चंद्रशेखर आजाद मंडल, कुशाभाऊ ठाकरे मंडल, आचार्य श्री विद्यासागर मंडल, स्वामी विवेकानंद मंडल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी 20 बाडों में गंगाजल अभियान के माध्यम से घर-घर पहुंचकर प्रयागराज से लाया हुआ पवित्र गंगाजल प्रदान किया गया। घर-घर गंगाजल अभियान को प्रारंभ करने का ध्येय उन परिवारों और उन लोगों तक मां गंगा का पवित्र गंगा जल पहुंचाना था जो कि किसी भी व्यक्तिगत कारणवश अथवा शारीरिक अक्षमता के कारण प्रयागराज महाकुंभ में जाने से और गंगाजल पाने से वंचित रह गए हैं और उनके मन में किसी भी प्रकार से इस पुण्य प्रदाय यज्ञ में शामिल न हो पाने का क्षोभ न रहे, इसलिए इस अभियान के माध्यम से घर-घर जाकर पवित्र गंगाजल प्रदान किया गया। इस अभियान के लिए प्रयागराज से जबलपुर लगभग 370 किलोमीटर दूर से टैंकर के द्वारा



पवित्र गंगाजल को मंगवाया गया जिसे जबलपुर तक पहुंचने में तीन दिन का समय लगा और ये टैंकर रास्ते में जहां-जहां से भी गुजरा लोगों ने स्वागत और पूजन करके मां गंगा का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि मैं अपने विधानसभा परिवार में 'नेता नहीं बेटा हूं' ये बात मैं हमेशा कहता हूं और ये मेरा कर्तव्य है कि मेरे विधानसभा परिवार में प्रत्येक व्यक्ति के सुख-दुःख और पुण्य कार्य में सदैव उनके साथ शामिल रहूं, विकास के साथ ही धर्म, संस्कृति और संस्कार को भी प्राथमिकता दी जा रही है, जिसका साक्षात उदाहरण हमारा घर-घर गंगाजल अभियान है। बताया गया घर-घर गंगाजल अभियान के दौरान पांच दिन में लगभग 137 किमी पैदल चलकर एवं 45000 घरों तक स्वयं जाकर पवित्र

गंगाजल प्रदान किया गया, जिन लोगों तक अभियान के दौरान नहीं पहुंच सके या उन्हें पवित्र गंगाजल प्राप्त नहीं हो सका उनके लिए 10000 बॉटल में पवित्र गंगाजल पहुंचाया जा रहा है। घर-घर गंगाजल अभियान मेरी भावनाओं से जुड़ा है, सनातन एकता और समरसता के पर्याय बन चुके प्रयागराज महाकुंभ में संपूर्ण विश्व के सनातनियों को गौरव की अनुभूति प्रदान की है और इस महायज्ञ में मेरे विधानसभा परिवार का प्रत्येक सदस्य शामिल हो मेरी ऐसी मंशा थी। महाकुंभ के दौरान भी हमने लगभग 63 वाहनों से अपने विधानसभा परिवार के करीब 328 लोगों के साथ प्रयागराज महाकुंभ पहुंचकर पवित्र स्नान किया एवं दिन में लगभग 137 किमी पैदल चलकर एवं और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। घर-घर

गंगाजल अभियान के दौरान विधानसभा के अंतर्गत आने वाले विभिन्न जल स्रोतों में भी मां गंगा का पवित्र गंगाजल मिलाकर उन्हें भी सनातन के इस महायज्ञ महाकुंभ से जोड़ा गया। गंगाजल अभियान में विधानसभा के सभी प्रमुख देवी मंदिरों, शिवालयां और पूजा स्थलों तक पहुंचकर मां गंगा का पवित्र गंगाजल अर्पित किया गया, पवित्र गंगाजल को विभिन्न वृद्धाश्रमों, अनाथालयों और अस्पतालों में भी पहुंचाया जा रहा है, गंगाजल अभियान में समाज के सभी वर्गों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं, व्यापारी बंधुओं और विशेष रूप से बड़ी संख्या में हमारे बुजुर्गों का आशीर्वाद हमें प्राप्त हुआ। घर-घर गंगाजल अभियान में भारतीय जनता पार्टी जबलपुर के जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर, जबलपुर लोकसभा सांसद आशीष दुबे, पूर्व महापौर प्रभात साहू, हमारे सभी पार्षद, मंडल अध्यक्ष, जिला मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अभियान में मुझे जो सहयोग प्रदान किया गया जिसके लिए मैं विशेष रूप से आप सभी का आभारी हूं और मां गंगा के इस घर-घर गंगाजल अभियान में साथी बनने के लिए आप अभी को धन्यवाद देता हूं और आपका अभिंदन भी करता हूं।

पुलिस सम्मान समारोह ‘जोश’ आज

जबलपुर।जबलपुर में पुलिस सम्मान समारोह ‘जोश’ (द्वितीय वर्ष) का आयोजन 10 मार्च को मानस भवन में पूर्वाह्न 11 बजे से किया गया है। इस कार्यक्रम में पुलिस विभाग के समस्त थानों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों का सम्मान नगद राशि, शील्ड, प्रमाण पत्र प्रदान कर किया जाएगा।



डॉ. अमिषेक जैन सम्मानित

जबलपुर। डॉ. अभिषेक जैन (उपाध्यक्ष) मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन जबलपुर का विधायक अशोक रोहाणी द्वारा उनके सामाजिक हित के कार्यों के लिए सम्मान किया गया। इसमें डॉ. अमित सिसोदिया (राष्ट्रीय अध्यक्ष) के मार्गदर्शन में डॉ. अजय वाघवानी (अध्यक्ष), एड. भावना निगम, एड. आशीष त्रिपाठी, डॉ. अभिजीत जैन, एड. साक्षी भारद्वाज, एड. अमित शर्मा, मनीषा दीक्षित और सभी सदस्य शामिल हुए।

विश्व महिला दिवस पर मेहरा समाज महासंघ मुख्यालय में कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। मेहरा समाज महासंघ मुख्यालय जबलपुर में विश्व महिला दिवस के अवसर पर मेहरा समाज महासंघ की पदाधिकारी महिलाओं एवं सदस्यों ने मिलकर वरिष्ठ महिलाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया। महिलाओं ने भारतीय समाज में महिलाओं की भूमिका, उनकी भागीदारी और राष्ट्र निर्माण में उनके सहयोग पर अपने-अपने व्याख्यान रखे। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मेहरा समाज महासंघ की राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ज्योति मेहरा, पूर्व राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मीना मेहरा और जबलपुर जिले की महिला प्रकोष्ठ की पदाधिकारीगण एवं सदस्य उपस्थित रहें। मेहरा समाज महासंघ की जिला अध्यक्ष अंजू देहरिया, जिला सचिव मेनका डेहरिया, कोषाध्यक्ष मनोरमा ने



जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में वरिष्ठ महिला सदस्य उपस्थित हुईं। गिरिजा मेहरा, रामकुंवर हनोतिया, शीला पचलानी, लक्ष्मी बाई झारिया, प्रेमवती नागिया, तारा दास, गायत्री गदवाल, मीना भाइर, मणि महाराज की लाडली बाई डेहरिया, चंद सतवासी सहित प्रमुख रूप से महिलाएं उपस्थित

रहीं।कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तारा दास, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रंजना हनोतिया, जिला सचिव चर्चा झारिया, मेनका डेहरिया, जिलाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ, एडवोकेट रजनी झारिया, रायपुर से सविता झारिया, छिंदवाड़ा से कमला डेहरिया सहित वरिष्ठ सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वार्ड नंबर 6 इंडा बाजार का मामला : बुजुर्ग महिला का काट दिया बिजली कनेक्शन,अंधेरे में रहने को मजबूर

एक कमरे में एक बल्ब, बिल मेज दिया 2500 रूपए, विद्युत मंडल सिहोरा का कारनामा

सिहोरा। टूटे-फूटे कमरे में सिर्फ एक बल्ब की रोशनी में जीवन गुजर रही वृद्ध महिला का बिजली बिल बिजली कंपनी ने 2500 रूपये भेज दिया। बिजली बिल जमा नहीं करने पर कंपनी ने उसका कनेक्शन काट दिया ऐसे में वृद्ध महिला अंधेरे में रहने को मजबूर है। महिला का आरोप है कि उसके घर में नया स्मार्ट मीटर लगाने के दौरान मीटर लगाने वालों ने अर्थीग को लूट कर दिया।

ये है मामला

वार्ड क्रमांक 6 इंडा बाजार में रहने वाली वृद्ध महिला विद्या सोनी ने बताया कि टूटे-फूटे कमरे में रहकर अपना गुजारा कर रही है। पिछले मा बिजली कंपनी द्वारा घरों में बदले जा रहे हैं स्मार्ट मीटर बदलने वालों ने उनके घर में लगे स्मार्ट मीटर को बदला। स्मार्ट मीटर बदलने के दौरान कर्मियों की लापरवाही के कारण अर्थीग लूट हो गई

जिसके कारण उसका जनवरी का बिल 2500 बिजली कंपनी ने भेज दिया। मीटर लगाने वालों की लापरवाही के कारण उसका बिल इतना आया। मेरी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि मैं इतना बिजली बिल साल भर में जमा कर सकूं। बिजली बिल जमा नहीं करने की स्थिति में कंपनी ने उसका बिजली कनेक्शन काट दिया जिसके कारण वह अंधेरे में रहने को मजबूर है। वृद्ध महिला की मांग है कि उसका बिजली बिल आधा कर क्रिस्तों में कर दिया जाए जिससे वह उसे जमा कर सके।

मेजे जा रहे मन माफिक बिजली बिल

आपको बता दें कि बिजली कंपनी द्वारा घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को मनमाने तरीके से बिजली बिल भेजे जा रहे हैं। ऐसे कई उपभोक्ता हैं, जिनके घरों में सीमित बल्ब या एलईडी जल रहे इसके बावजूद उन्हें भारी मरकम बिल भेजा जा रहा है।

मावे ने सिल्वर जुबली 25वां स्थापना दिवस मनाया

जबलपुर। मध्य प्रदेश महिला उद्यमी संगठन (मावे) द्वारा अपना 25वां स्थापना दिवस वेलकम बाय आईटीसी में 08 मार्च को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि उपस्थित रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद आशीष दुबे एवं विधायक अशोक रोहाणी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में माधवी सावरकर द्वारा

गणेश वंदना नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात अलग-अलग हथरों से आई हुई मावे की सदस्यों से उनके मावे के विषय में विचार को जाना गया। वॉयस फ्रॉम द फ्लोर के अंतर्गत सभी उपस्थित महिला उद्यमियों से उन अनेक पुरस्कारों की बरसात हुई रैपिड फायर राउंड के सवाल के साथ। इसके पश्चात मावे सदस्यों आ पल्लवी दीवान्नी, रूद्राणी नायर, आस्था पालन, किंजल शर्मा, समीक्षा मसके द्वारा समूह नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति ने सभी उपस्थित गणमान्य अतिथियों को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया जिसके पश्चात कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मावे का 25 वर्षों का सफर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म के द्वारा दर्शाया गया। मावे की फाउंडर प्रेसिडेंट एवं चेयरपर्सन डॉ. अर्चना भटनागर एवं इमेज कोच प्रीति कुमार के बीच एक टॉक शो की प्रस्तुति रही। जिसने सन 2000 में मावे कैसे एवं किन परिस्थितियों में जन्मा एवं आज 2025 में मावे मध्य प्रदेश की सीमाओं को लांघकर पूरे देश में अपना परचम लहरा रहा है। मावे के साथ पूरे देश भर से महिला उद्यमियों के जुड़ने का एक प्रमुख कारण यह है कि मावे ही पूरे देश भर का एकमात्र ऐसा एसोसिएशन है जो अपने सदस्यों को ट्रेनिंग देने के साथ-साथ एक्सपोज़र के सारे डेलीवेशन चाइना, अमेरिका, मालदीव अनेक देशों में जा चुके हैं। आगे की चर्चा में डॉ. भटनागर ने बताया कि बिना किसी कोलेटरल सिक्युरिटी के बैंक



और विश्व स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र महिला उद्यमी है, जिनहोंने यूनाइटेड नेशन्स न्यूयॉर्क, डब्ल्यूटीओ जेनेवा, कॉम्प्लेक्स यूके सार्क नेपाल, मालदीव, एपीओ जापान, आईटीसी जेनेवा आदि बहुत से अन्य देशों में भी भारत के साथ-साथ मावे की भाी नाम रोशन करते हुए एक विशिष्ट पहचान बनाई है। मावे प्रेसिडेंट भावना मदान द्वारा मावे के 25वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा गया कि सभी लोगों के साथ एवं बढ़ावा के फलस्वरूप ही मावे आज अपने 25 सफल वर्ष पूर्ण कर सका है। इसके पश्चात ITI के विद्यार्थियों, ट्राइबल थैम तथा मावे सदस्यों द्वारा डिजाइन किए गए परिधानों के साथ फैशन शो का आयोजन किया गया। इस फैशन शो का उद्देश्य मावे की सदस्यों द्वारा बनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के परिधानों को लोगों तक पहुंचाना एवं नए प्रगतिशील उन्नतिशील महिला डिजाइनरों को एक प्लेटफॉर्म प्रदान करना है। 25वें स्थापना समारोह को सफल बनाने में मावे अध्यक्ष भावना मदान, सचिव मोनिका जाँनी, संस्था बोरकर, सतरुपा राबरा, पूजा निगम, प्रियंका कौर, बशिता चौरसिया, बलविंदर बघान, डॉली सूर्यवंशी, उषा गुप्ता, चंद्रा महीधर, जीनत खानन, अनिशा चड्ढा आदि ने सहयोग प्रदान किया।

खितौला बस्ती का मामला: आप दिन हो रहे हादसे,16, 17 और 18 बौंस के रहवासी दहशत में, पुलिस-प्रशासन निष्क्रिय, रोज लाग रहा जाम

हरिभूमि सिहोरा।

बायपास होने के बावजूद घनी बस्ती के बीचों-बीच से हाइवा-डंपर सहित दूसरे वाहन घड़ल्ले से निकल रहे हैं।

बेलगाम भारी वाहनों के कारण बस्ती में आए दिन हादसे हो रहे हैं वहीं दूसरी तरह पुलिस-प्रशासन की निष्क्रियता के चलते न तो इन पर कोई कार्रवाई होती है न वाहनों के गुजरने पर रोक लगती। फाटक के उस पार बेलगाम होकर निकल रहे बड़े वाहन धमाचौकड़ी मचाते दुधुर्दान्त को अंजाम दे रहे और पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठकर सब देख रही। हाजात ये है खितौला बस्ती के 16,17 और 18 के रहवासी दहशत के साए में रहने को मजबूर हैं।



बायपास होने के बावजूद बस्ती के अंदर से निकल रहे भारी लोड वाहन

खितौला में दर्जनों सड़क दुर्घटना हो चुकी घटित

क्षेत्रवासियों ने बताया कि ट्रक और हाइवा से बरा मोहल्ला में अब तक दर्जनों घटनाएं घट चुकी है और इसमें अनेक लोग घायल हो चुके वहीं कुछ लोगों की मृत्यु भी हो चुकी है जब कोई सड़क दुर्घटना घटती है और लोग इकट्ठा होकर विरोध करते हैं तो उनको केवल आश्रयनाशन मिलता है पर कुछ दिन बाद फिर स्थिति जहां की तहां हो जाती है। इस मामले में क्षेत्रीय नेताओं की निष्क्रियता भी किसी से छुपी नहीं है जो चुनाव के समय जल बोट मांगने जाते हैं तो जनता से हाथ जोड़कर निवेदन करते है लेकिन जीतने के बाद जनता को अपने हाल पर छोड़ देते हैं उनकी समस्याओं से उनका कोई सरोकार नहीं रहता है जबकि सभी को मिलकर प्रशासन का सहयोग लेकर शहर के अंदर से गुजर रहे बड़े वाहनों पर रोक लगवाना चाहिए।

थाना प्रभारी तो बदलते रहे पर व्यवस्था नहीं सुधरी

लम्बे समय से देखने में आ रहा है की समय समय खितौला पुलिस थाने के थाना प्रभारी तो बदलते रहे पर आराजक हो चुकी यातायात व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ अब नवीन थाना प्रभारी से खितौला वासियों को बहुत अपेक्षाएं हैं। लोगों की मांग है कि पुलिस को खितौला शहर के अंदर से निकलने वाले बड़े हाइवा ट्रक सहित अनेक वाहनों पर टोटल प्रतिबंध लगाना चाहिए। जिससे बचजह लोग सड़क दुर्घटना का शिकार न हो सके और लोगों की जान की रक्षा की जा सके।

कब-कब हुए हादसे

- विगत गुरूवार को सोमैन्ट से लदे ट्रक ने 23 साल के युवक को मौत के घाट उतार दिया।
- सितम्बर माह में फनवानी के पास हाइवा की टक्कर से सात मजदूरों की मौत हो गई थी।
- दिसम्बर माह में बरा मोहल्ला के हाइवा बिजली पोल को तोड़ते हुए घर में घुस गया था।
- खितौला फाटक को भारी वाहन आए दिन तोड़ देते हैं जिससे जाम की स्थिति बन जाती है।



निवासी श्री गोविंद दीवान (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती अम्भराजी बाई राय- शिवनगर गढ़ा निवासी श्री राम पूजन राय की धर्मपत्नी श्रीमती अम्भराजी बाई राय (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री प्रेम नारायण चौधरी- कंपनी गेट के पास पोलीपाथर निवासी श्री प्रेम नारायण चौधरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया। श्रीमती रामकली बाई पटेल- सेठी नगर गुप्तेश्वर मंदिर के पास निवासी श्री हर प्रसाद पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली बाई पटेल (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती कृष्णा आहके- कंचन विहार विजयनगर निवासी श्री रतन लाल आहके की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा आहके (77) का



जमकर हुआ बवाल, गाड़ियों में तोड़फोड़

प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण का आरोप



हरिभूमि न्यूज : रायपुर

टाटीबंध स्थित एक मकान में चल रही प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाते हुए हिंदुवादी संगठन से जुड़े लोगों ने जमकर हंगामा किया। धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में तोड़फोड़ की। जब बवाल चल रहा था, इस दौरान होली में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसएसपी डॉ. लाल उममेद सिंह पुलिस अफसरों की बैठक ले रहे थे। इसी दौरान पुलिस को हंगामा होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस अफसर आनन-फानन में घटना स्थल पहुंचकर स्थिति संभालने में जुट गई। घटना आमामाका थाना क्षेत्र की है। टाटीबंध स्थित एक कालोनी के मकान में सैकड़ों की संख्या में लोगों के प्रर्थना सभा में एकत्रित होने की जानकारी हिंदू संगठन से जुड़े लोगों को मिली। इसके बाद बजरंग दल सहित अन्य हिंदुवादी संगठन से जुड़े लोग प्रार्थना सभा का विरोध करते हुए मौके पर पहुंचे। हिंदुओं का जबरन धर्मांतरण कराने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करने लगे। इस दौरान दूसरे पक्ष के लोगों के साथ हिंदू संगठनों के साथ बहस होने लगी। विवाद की दूसरी वजह भी सामने आई है। सूत्रों के अनुसार प्रार्थना सभा के पास एक खाली प्लाट है। उसमें कुछ लोग चर्च निर्माण की बात कह रहे थे। खबर है कि इससे भी विवाद ने उग्र रूप ले लिया।

रविवार बना पुलिस के लिए चुनौती

प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन कराए जाने के लेकर पूर्व में भी मोवा. विधानसभा सहित कई अन्य थाना क्षेत्रों में प्रदर्शन की घटाएं हो चुकी हैं। ज्यादातर घटनाएं रविवार को हुई हैं। ऐसे में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन के आरोप में प्रदर्शन रोकना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो रही है।

हंगामे के बीच तोड़फोड़

धर्मांतरण को लेकर हंगामा के दौरान कुछ लोगों ने पथराव करने के साथ तोड़फोड़ करने लगे। तोड़फोड़ से मकान तथा गाड़ियों में नुकसान होने के साथ पथराव की घटना में कुछ लोगों की चोटें आई हैं। इसी दौरान पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई।

खबर संक्षेप

भू-माफिया और अफसरों के खिलाफ अपराध दर्ज कराएं
रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से जमीन घोटाले में संलिप्त सभी भूमाफिया, अधिकारियों, कर्मचारियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध करने के साथ ही घोटाले की राशि वसूली के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश देने की मांग की। इसी दौरान श्री अग्रवाल ने कहा कि शासकीय जमीनों की बंदरबांट और जमीन मुआवजा घोटाले के सभी दोषियों के खिलाफ जुर्म पंजीबद्ध करने के साथ ही घोटाले की राशि वसूलने की कार्रवाई भी की जानी चाहिए, जमीन के मुआवजे का घोटाला तो अभी केवल 7 गांव का सामने आया है, जबकि इस मामले में 300 गांव की जमीन का अधिग्रहण किया गया है, सभी अधिग्रहित जमीनों की भी जांच की जानी चाहिए। श्री अग्रवाल ने कहा कि रायपुर जिले अभनपुर के सहा गांव की ही अधिग्रहित जमीनों की जांच में ढाई सौ करोड़ से ज्यादा का घोटाला सामने आ चुका है, 300 गांव की अधिग्रहित जमीनों की जांच में स्थिति क्या होगी, इसका आकलन भी किया जाना मुश्किल है।

अस्पतालों को प्राधिकार प्राप्त करने की समयसीमा में वृद्धि
रायपुर। एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया (एएचपीआई) की पहल पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल (सीईसीबी) ने अस्पतालों को जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के तहत प्राधिकार प्राप्त करने अथवा नवीनीकरण की समयसीमा 30 जून तक बढ़ा दी है।

केंद्रीय पर्यावरण प्रदूषण बोर्ड के आदेशानुसार बिना उक्त प्राधिकार के अस्पताल का संचालन करने पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति अधिरोपित करने का प्रावधान है। इसके तहत पूर्व में सीईसीबी ने सभी अस्पतालों को 31 दिसंबर 2023 तक प्राधिकार प्राप्त करने के निर्देश दिए थे। किन्हीं कारणवश कुछ अस्पतालों द्वारा उक्त अवधि में यह प्राधिकरण प्राप्त अथवा नवीनीकरण नहीं हो पाया था जिस वजह से उन अस्पतालों पर भारी भरकम क्षतिपूर्ति लगाई जा रही थी।

108 इमरजेंसी में कर रहे मिस्डकॉल, दे रहें गालियां
रायपुर। आपातकाल में मदद के लिए उपयोग किए जाने वाले 108 के इमरजेंसी कॉल का लोग इंटरटेनमेंट के लिए उपयोग कर रहे हैं। कोई टाइमपास के लिए यहां फोन लगाता है, तो कोई गाली-गलौज कर अपनी भड़ास निकलता है। आंकड़ों की मांनें, तो सजीवनी एंबुलेंस सेवा के कॉल सेंटर का स्टाफ हर महीने औसतन ऐसे 10 हजार फेक कॉल को झेल रहा है। इसमें बच्चों के फोन, फर्जी कॉल के साथ अपमानजक बातें करने वाले कम नहीं हैं। प्रदेश में किसी की आपात स्थिति होने पर उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने के लिए सजीवनी एंबुलेंस सेवा का संचालन किया जा रहा है।

ढाई साल पहले वर्ग फीट के हिसाब से किया निर्धारण और अब हेक्टेयर का नियम लागू

भारतमाला प्रोजेक्ट में दुर्ग जिले के 200 करोड़ का भुगतान संदेह के घेरे में

हरिभूमि न्यूज ►► गिलाई

जिसकी वजह से किसी किसान को एक साइज की जमीन की लाखों रुपए का मुआवजा दिया जा रहा है तो दूसरे किसान को हजार रुपए। इस दोहरे मापदंड की वजह से किसान हाईकोर्ट और स्थानीय राजस्व अधिकारी के दफ्तर का चक्कर काट रहे हैं। पूरे मामले में करीब 200 करोड़ रुपए भुगतान संदेह के दायरे में है। भारतमाला प्रोजेक्ट में अफसरों ने ही बड़ा खेला कर दिया। अपनों को भूमि अर्जन की मुआवजा राशि का लाभ दिलाने के लिए सेंट्रल गर्वमेंट के नियम को ही बदला और उस हिसाब से करोड़ों रुपए का भुगतान हो गया। यह गफलत दुर्ग जिले के थनौद से उतई तक के किसानों का भू अर्जन मुआवजा भुगतान में किया गया।

अलग खबर

दुर्ग जिले के भारत माला प्रोजेक्ट में 200 किसानों का मुआवजा निर्धारण में स्थानीय प्रशासन ने दोहरा मापदंड अपनाया। ढाई साल पहले यानी वर्ष दिसंबर 2022 में किसानों के मुआवजा का निर्धारण वर्ग फीट के हिसाब से किया। उसके बाद अब वर्ष 2024 में किसानों का मुआवजा प्रकरण हेक्टेयर दर के हिसाब से कर दिया गया है।

इस तरह हुआ खेला

भारत माला प्रोजेक्ट के तहत वर्ष 2017.18 में भू अर्जन पुरई के पटवारी हल्का नंबर 40 तहसील दुर्ग थनौद से उतई तक किसानों की जमीन भू अर्जित की गई। थोड़ी प्रकाशन के बाद कुछ नामांकित चहेतों को वर्ष 2019 में 500 वर्ग फुट से कम अर्जित भूमि का मुआवजा निर्धारण चार गुणा कर से किया गया। इसकी वजह अफसरों ने किसानों को यह बताया कि इनका नक्शा बटाकन हो चुका है। इस बीच छत्तीसगढ़ कांग्रेस की सरकार ने रजिस्ट्री में 30 प्रतिशत छूट दी। इसके अड़ में यह खेला कर दिया कि जिन किसानों की जमीन का नक्शा बटाकन नहीं हुआ था, उन्हें हेक्टेयर के हिसाब से दो गुणांक में भुगतान कर दिया।

किसानों के मुआवजा निर्धारण में चली दोहरी नीति



हाउसिंग बोर्ड के करोड़ों रुपए फंसे

बिलासपुर डिविजन में 654 फ्लैट व स्वतंत्र आवास खाली

हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल बिलासपुर सहित प्रदेशभर में मकान और दुकानें तो बना रहा है, लेकिन उन्हें बेचना मुश्किल हो रहा है। अकेले बिलासपुर में ही 230 से अधिक मकान और फ्लैट नहीं बिके हैं। कुल मिलाकर बिलासपुर डिविजन में करोड़ों रुपए के फ्लैट और स्वतंत्र आवास फंस गए हैं। 10 लाख से 45 लाख तक के साढ़े 6 सौ से अधिक मकान खाली पड़े हैं। मकान और फ्लैट नहीं बिकने के बाद हाउसिंग बोर्ड द्वारा उपभोक्ताओं को 10 वर्ष पुरानी कीमतों में मकान और दुकान बेचने का फैसला लिया गया। इसमें प्रदेशभर में वन टाइम सेटलमेंट योजना के तहत 10 से 30 प्रतिशत की छूट दी जा रही है, जिससे खरीदारों को 10 लाख रुपए तक की छूट मिल रही है। खेल बढ़ाने की हाउसिंग बोर्ड ने बोदरी में 473 मकानों को बनाने की नई योजना लांच की थी। इसमें भी लोकनि लोगों ने रुचि नहीं दिखाई और सिर्फ 76 बुकिंग ही हो सकी है। अब पहले चरण में इतने ही मकानों को बनाने का फैसला लिया गया है, ताकि पैसे की बरबादी नहीं हो और बुकिंग-शिफ्टिंग से पहले मकान कंडम न हो जाए। यहां का टेंडर भी तीन बार निरस्त हो चुका है। अब चौथी बार में टेंडर फाइनल करते हुए बड़ी मुश्किल से काम शुरू हो सका है।

जो बिके वो आबाद नहीं हुए

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल में सैकड़ों मकान ऐसे भी हैं जो बिक तो गए हैं, लेकिन आबाद नहीं हुए हैं। इन मकानों में ताले लटक रहे हैं। परसदा, सकरी, बहताराई, खमतराई में भी बने हाउसिंग बोर्ड के मकान खाली पड़े हैं। इन मकानों को खरीदने के बाद मकान मालिक जाने को तैयार नहीं हैं। वहीं लोकथन का सही दृश्य नहीं होने के कारण इन मकानों में रहने के लिए किराएदार नहीं मिल रहे हैं। हालांकि अभियान चलाकर हाउसिंग बोर्ड मकानों को सेल कर रहा है। खेल बढ़ाने के लिए मकानों की स्थिति और लोकेशन आनलाइन कर दिया गया है। मकानों का रेट फिक्स किया गया है। वहीं हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि जो मकान नहीं बिकेगे, उनका इस्तेमाल रेंटल हाउसिंग के रूप में किया जाएगा।

लांच की गई है नई योजना

हाउसिंग बोर्ड ने बोदरी में 473 मकान बनाने की नई योजना लांच की है। इसमें 76 लोगों ने बुकिंग की है और इन मकानों का निर्माण जारी है। बिलासपुर रीजन में हाउसिंग बोर्ड के मकान अधिक खाली नहीं हैं। अभिलाषा परिसर में कुछ फ्लैट खाली हैं तो चिल्हाटी में कुछ मकानों की बुकिंग नहीं हो सकी है। कुछ और मकान जरूर खाली हैं, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि वे उपयोगहीन हैं।

- रमड़ी पनारिया, उपायुक्त, हाउसिंग बोर्ड

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाने

किराए पर लिए जा रहे अकाउंट

रायपुर। ऑनलाइन ठगी की घटना से लेकर क्रिकेट सहित अन्य तरह का सट्टा संचालित करने इस्तेमाल किए जा रहे म्यूल अकाउंट को रोकना साइबर पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। पुलिस ने हाल के दिनों में चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट मैच में ऑनलाइन सट्टा संचालित करने के आरोप में जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, उनके द्वारा म्यूल अकाउंट के माध्यम से सट्टे की रकम ट्रांसफर करने की बात सामने आई है। सट्टा में म्यूल अकाउंट इस्तेमाल करने की प्रथा महादेव सट्टा एप के बाद से शुरू हुई है। क्राइम डीएसपी संजय सिंह के मुताबिक क्रिकेट सट्टा संचालित करने वाले बुकी पुलिस को झंझा देने के लिए किराए के बैंक अकाउंट लेकर उनमें पैसों का ट्रांजेक्शन कराने का काम कर रहे हैं। म्यूल अकाउंट बुकी पांच से दस हजार रुपए तक किराए पर ले रहे हैं। म्यूल अकाउंट होने की वजह से बुकी की जल्दी से पहचान नहीं हो पाती।

एक महीने से टमाटर की कीमत में आ रही लगातार गिरावट

मंडी में बिक रहा एक रुपए किलो टमाटर

देवीलाल साहू ►► गिलाई

छत्तीसगढ़ में टमाटर की खेती करने वाले किसान इन दिनों खासे परेशान है। प्रदेश सरकार ने अपनी घोषणा पत्र में टमाटर प्रोसेस यूनिट निर्माण की घोषणा की, अब सरकार बदल गई, लेकिन किसानों का हाल पहले जैसा ही है। हर साल टमाटर के भाव औंधे मुंह गिरती है और किसानों को लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ता है। इस साल भी किसानों का दर्द ऐसा ही है। टमाटर मंडी में एक रुपए किलो बिक रहा है। किसानों का तुड़ाई और ट्रांसपोर्टिंग का खर्च तक नहीं निकल रहा। इसलिए किसान अपनी फसल उजाड़कर दूसरी फसल लेने लगे हैं। खेत के मेड़ों में इसे डाल रहे हैं।

किसान उजाड़ रहे अपनी फसल



प्रोसेस यूनिट के घोषणा पत्र में

हर साल टमाटर फसल के दाम इतने गिर जाते हैं कि किसानों को लाखों रुपए नुकसान उठाना पड़ता है। किसानों की मांग पर पिछली कांग्रेस सरकार ने और इस बार भाजपा की सरकार ने अपने घोषणा पत्र में टमाटर प्रोसेस यूनिट स्थापित करने का जिक्र किया, लेकिन अब तक यह केवल सपना है। यूनिट स्थापना से किसानों को टमाटर के दाम भी मिलेंगे और विकास भी होगा। - इब्रैह्म नूषण वैष्णव, महासचिव, छग प्रगतिशील किसान संगठन

डोमा पथरिया के किसान लिमन हर साल 10 से 15 एकड़ में टमाटर की फसल लगाते हैं। इस बार भी टमाटर फसल ली है। वे बताते हैं कि दो महीने पहले टमाटर की इतनी ज्यादा डिमांड थी कि इसकी पूर्ति नहीं कर पा रहे थे। दाम ज्यादा होने के बाद भी बाजार ज्यादा चढ़ा हुआ था। इन दिनों भाव डोमा कम है कि न तुड़ाई करवा रहे हैं और नहीं इसे बेच पा रहे हैं। नए फसल लेने टमाटर को बाहर फिकवा रहे हैं।

धमधा के किसान संदीप सोलंकी टमाटर उत्पादक किसान हैं। इस साल 14 एकड़ में टमाटर फसल लगाया है। वे बताते हैं कि मंडी में बाहर से भी टमाटर की आवक शुरू हो गई है। लोकल सब्जी बाड़ी से उत्पादन ज्यादा है और खपत कम। इसलिए स्थानीय मंडी में टमाटर के भाव नहीं मिल रहे हैं। ट्रांसपोर्टिंग व मजदूरी हमें अपनी जेब से भरना पड़ रहा है। जिसकी वजह से टमाटर को फेंक रहे हैं। मवेशियों को खिला रहे हैं।